सवा लाख करोड़ से लगेंगी ग्रीन हाइड्रोजन की 17 इकाइयां

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ के पास 40 हजार करोड़ की लागत से इकाई लगाएगा वेलस्पन समूह

लखनऊ। औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाले जहरीले धुएं को रोकने के लिए ग्रीन हाइड्रोजन का इस्तेमाल किया जाएगा। प्रदेश सरकार ने इसके लिए खास योजना तैयार की है। इसके तहत पहले चरण में रिफाइनरी, केमिकल और फर्टिलाइजर संयंत्रों में ग्रीन हाइड्रोजन का उपयोग किया जाएगा।

ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन भी प्रदेश में ही किया जाएगा। अभी तक ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन के लिए 17 प्रस्ताव आए हैं, जिसमें 1.15 लाख करोड़ का निवेश होगा। ब्रिटेन की ट्रैफलगर स्कवायर यूपी में 10 हजार टन सालाना का प्लांट लगा रही है। लखनऊ में वेलस्पन समूह 40 हजार करोड़ से ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट लगाने जा रहा है। अकेले इससे 20 हजार रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन को रफ्तार देने के लिए 'उत्तर प्रदेश ग्रीन हाइड्रोजन नीति 2024' के तहत राज्य सरकार ने न केवल ग्रीन हाइड्रोजन या अमोनिया उत्पादन को बढ़ावा देने बल्कि बाजार विकसित करने के लिए वित्तीय सब्सिडी प्रोत्साहन की योजना पेश की है।

उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास अभिकरण (यूपीनेडा) के निदेशक अनुपम शुक्ला के अनुसार, उत्तर प्रदेश ने वर्ष 2029 तक ग्रीन हाइड्रोजन या ग्रीन अमोनिया की प्रति वर्ष दस लाख मीट्रिक टन उत्पादन क्षमता का लक्ष्य तय किया है। प्रदेश में नई ग्रीन हाइड्रोजन व अमोनिया परियोजनाओं और वर्तमान इकाइयों के विस्तार के लिए सिंगल विंडो क्लियरेंस सुविधा शुरू की है।